By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-10

Topic - Approaches to the study of Comparative politics

class - B.A. Degree - II (Sub.)

Subject - Political Science

Date - 1october, 2020

By Rahulkumarjha.

तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के दृष्टिकोण

राजनीतिक व्यवस्था उपागम :-

आमंड का संरचनात्मक कार्यात्मक विश्लेषण :-

डेविड ईस्टन के विश्लेषण को स्वीकार करते हुए आमंड ने इसका विस्तार किया। आमंड ने मुख्यतः दो समस्याओं का वर्णन किया। पहली समस्या यह है कि राजनीतिक विकास कैसे हो अर्थात उनकी खोज का उद्देश्य यह है कि किस प्रकार एक प्रकार की राजनीतिक व्यवस्था विकास करके दूसरे प्रकार की राजनीतिक व्यवस्था में परिवर्तित होती है दूसरी समस्या, राजनीतिक व्यवस्थाओं

के वर्गीकरण की है। आमंड कार्यक्षमता के आधार पर राजनीतिक व्यवस्थाओं का वर्गीकरण करने के पक्ष में हैं अर्थात कुछ राजनीतिक व्यवस्थाएं अन्यों की तुलना में सामाजिक व आर्थिक समस्याओं को सुलझाने में अधिक सक्षम होती हैं। इन समस्याओं के विश्लेषण के लिए जिस मॉडल को अपनाया उसको संरचनात्मक - कार्यात्मक उपागम कहा जाता है।

आमंड के विश्लेषण की विशेषताएँ निम्न हैं :-

1. राजनीतिक व्यवस्थाएँ तथा राजनीतिक संरचनाएं : आमंड का कहना है कि प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था में संरचनाओं का होना आवश्यक है। इनमें कुछ संरचनाएँ अन्यों की तुलना में अधिक कार्य करती हैं। विभिन्न राजनीतिक व्यवस्थाओं एवं उनकी संरचनाओं में यद्यपि अंतर होता है किंतु सभी राजनीतिक व्यवस्थाएँ तथा उनकी

संरचनाएँ समान कार्य करती हैं।

किसी व्यवस्था में संरचनाओं की संख्या उसके स्वरूप तथा सामाजिक व आर्थिक विकास पर निर्भर करती है। अमरीका जैसे विकसित देश में राजनीतिक संरचनाओं की संख्या बहुत अधिक है जबकि पिछड़े समाजों में संरचनाओं की संख्या बहुत कम होती है।

2. संरचनाएँ बहु-कार्यात्मक होती हैं:

आमंड का विचार है कि राजनीतिक व्यवस्था में विद्यमान अधिकांश संरचनाएँ बहु-कार्यात्मक होती हैं अर्थात वे एक साथ कई काम करती हैं जैसे राजनीतिक दल शासकों की भर्ती का कार्य करते हैं, जनता में राजनीतिक चेतना जागृत करते हैं तथा जन-भावनाओं को शासन तक पहुंचाते हैं, इसी प्रकार दबाव समूह भी इसी प्रकार के कार्य करते हैं।